[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1130 **L**

Unique Paper Code : 2102101201

Name of the Paper : Fundamentals of Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. Attempt any five three questions.

   किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. All question carry equal marks

   सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. Answers may be written either in Hindi or in English but the same medium should be followed throughout the paper.

   इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss the All Worlds Hypothesis, the Null Hypothesis, and the Many Worlds Hypothesis with reference to Derek Parfit's article *"Why Anything? Why This?"*

ऑल वर्ल्ड्स परिकल्पना, शून्य परिकल्पना तथा मेनी वर्ल्ड्स परिकल्पना पर डेरेक पारफिट के लेख "Why Anything? Why This?" के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

P.T.O.

2. Critically evaluate Aristotle's theory of causation.

अरस्तू के कारणता के सिद्धांत का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. According to Paul Boghossian, are beliefs about scientific knowledge socially constructed? Discuss with arguments.

पॉल बोगोशियन के अनुसार, क्या वैज्ञानिक ज्ञान के बारे में विश्वास सामाजिक रूप से निर्मित होते हैं? तर्कों सहित चर्चा कीजिए।

4. Analyse the debate between the Nyāya and the Buddhists on the content and the form of knowledge.

न्याय और बौद्ध परंपरा के बीच ज्ञान की विषय-वस्तु और स्वरूप पर होने वाले विवाद का विश्लेषण कीजिए।

5. "But though our thought seems to possess this unbounded liberty, we shall find, upon nearer examination, that it is really confined within very narrow limits, and that all this creative power of the mind amounts to no more than the faculty of compounding, transposing, augmenting, or diminishing the materials afforded us by the senses and experience." Comment on these lines with reference to Hume's empiricism.

"यद्यपि हमारा चिंतन असीम स्वतंत्रता का आभास देता है, परंतु निकट परीक्षण करने पर हम पाएँगे कि यह वास्तव में अत्यंत सीमित दायरे में बंधा हुआ है, और मन की यह सृजनात्मक शक्ति केवल उन सामग्रियों को संयोजित करने, रूपांतरित करने, बढ़ाने या घटाने की क्षमता तक ही सीमित है, जो हमें इंद्रियों और अनुभव से प्राप्त होती हैं।" इन पंक्तियों पर ह्यूम के अनुभववाद के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए।

6. Examine the debate between Socrates and Thrasymachus on the nature of justice in Plato's *Republic*.

प्लेटो की Republic में न्याय की प्रकृति पर सुकरात और थ्रासिमेकस के बीच होने वाले विवाद का परीक्षण कीजिए।

7. How does Donald Davidson account for the concepts of truth and objectivity?

डोनाल्ड डेविडसन सत्य और वस्तुनिष्ठता की अवधारणाओं का किस प्रकार प्रतिपादन करते हैं?

8. Write a note on the Buddhist conception of non-self (*anattā*).

बौद्ध दर्शन में अनात्म (अनत्ता) की संकल्पना पर एक टिप्पणी लिखिए।